भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1480
उत्तर देने की तारीख: 5 दिसम्बर, 2011

खादी और ग्रामोद्योग आयोग में देसी आहार योजना

1480. श्री रशीद मसूद:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 'देसी आहार योजना' आज तक शुरू नहीं हो पाई है;
(ख) इस योजना के लिए कितनी राशि खर्च हुई है;
(ग) इस योजना के बंद होने के क्या कारण हैं और
(घ) इस योजना के प्रचार-प्रसार में कुल कितनी राशि खर्च की गयी है?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री
(श्री वीरभद्र सिंह)

(क) 'देसी आहार ब्रांड' खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा 2002 में कुछ ऑर्गेनिक खाद्य उत्पादों जैसे दलिया, गुड़, दाल, अनाज और मसाले के पाउडर आदि के लिए विभागीय व संस्थागत बिक्री केंद्रों के माध्यम से शुरू किए गए हैं ।

(ख) खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली, जो कि कार्यान्वयन के लिए नोडल प्वाइंट था, द्वारा प्रसंस्करण मशीनों के अधिष्ठापन 'देसी आहार ब्रांड' के डिजायन विकास और प्रचार पर किया गया कुल व्यय लगभग 12.15 लाख रू. है ।

(ग) ग्राहकों से पर्याप्त प्रतिक्रिया नहीं मिल पाने के कारण आपूर्ति श्रृंखला समुचित रूप से विकसित नहीं की जा सकी और 2005-06 से कोई बिक्री नहीं हुई । हालांकि ब्रांड विकास की नीति के रूप में योजना अभी भी चल रही है । ऑर्गेनिक फूड के विकास सहित ब्रांड विकास के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए इकाइयों को प्रेरित किया जा रहा है ।

(घ) लगभग 12.15 लाख रू. के कुल व्यय में से लगभग 4.51 लाख रू. की राशि 'देसी आहार ब्रांड' के प्रचार पर खर्च की गई है ।

******